चम्पारण ज्ञानाग्रह

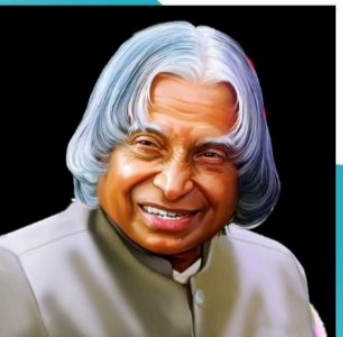
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 26 नवंबर 2026, अंक –402.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"सच्चा मित्र वही है जो मुसीबत में काम आए।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन...

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पापुआ न्यू गिनी देश की राजधानी क्या है?
उत्तर: पोर्ट मोरेस्बी।
प्रश्न 2. ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान कौन हैं?
उत्तर: साक्षी मलिक।
प्रश्न 3. पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध लोकसंगीत परंपरा, जिसमें एकतारा बजाकर आध्यात्मिक गीत गाए जाते हैं, क्या कहलाती है?
उत्तर: बाउल संगीत।
प्रश्न 4. एक घन मीटर में कितने लीटर पानी होता है?
उत्तर: 1,000 लीटर।
प्रश्न 5. बिहार के किस स्थान पर भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी और वहाँ विश्व धरोहर महाबोधि मंदिर स्थित है?
उत्तर: बोधगया।
प्रश्न 6. तारानुमा नाक वाले छछूँदर जैसे जीव (Star-nosed Mole) की नाक पर बनी 22 छोटी संरचनाएँ मुख्य रूप से किस काम आती हैं?
उत्तर: स्पर्श पहचानने में।
प्रश्न 7. वर्ष 1926 में कार्यशील टेलीविजन का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन किसने किया था?
उत्तर: जॉन लॉगी बेयर्ड।
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में ग्राम सभा का उल्लेख किया गया है?
उत्तर: अनुच्छेद 243A.
प्रश्न 9. 'जिसे पराजित न किया जा सके' उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: अजेय।
प्रश्न 10. झूले या सी-सॉ (Seesaw) में किस सरल मशीन का सिद्धांत काम करता है?
उत्तर: उत्तोलक (लीवर)।

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Beekeeping - बीकीपिंग - मधुमक्खी पालन
2. Apiary - एपियरी - मधुमक्खी पालन केंद्र
3. Honeycomb - हनीकॉम्ब - मधुमक्खी का छत्ता
4. Wax - वैक्स - मोम
5. Silk - सिल्क - रेशम
6. Cocoon - कोकून - रेशम का खोल / प्यूपा का आवरण
7. Larva - लार्वा - कीट का लार्वा / इल्ली



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Where are they going to + V1?"
(वे कहाँ ... करने वाले हैं?)
वे अपना नया विद्यालय कहाँ खोलने वाले हैं? – Where are they going to open their new school?
वे इस वर्ष छुट्टियाँ कहाँ बिताने वाले हैं? – Where are they going to spend their holidays this year?
वे अपनी बैठक कहाँ आयोजित करने वाले हैं? – Where are they going to hold their meeting?
वे बच्चों को प्रशिक्षण कहाँ देने वाले हैं? – Where are they going to train the children?
वे अपना सामान कहाँ रखने वाले हैं? – Where are they going to keep their luggage?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 26 नवंबर को 1949 में भारत की संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को विधिवत अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किए जाने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में कौन-सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: संविधान दिवस (राष्ट्रीय विधि दिवस / Constitution Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 26 नवंबर को भारत में 'संविधान दिवस' (Samvidhan Divas) मनाया जाता है। 26 नवंबर 1949 को डॉ. भीमराव अंबेडकर की अध्यक्षता वाली प्रारूप समिति द्वारा तैयार किए गए भारतीय संविधान को संविधान सभा ने स्वीकार किया था, जो बाद में 26 जनवरी 1950 को पूर्ण रूप से लागू हुआ। भारत सरकार ने वर्ष 2015 में डॉ. अंबेडकर के 125वें जयंती वर्ष के अवसर पर इस दिन को आधिकारिक रूप से 'संविधान दिवस' घोषित किया (इससे पूर्व इसे 'राष्ट्रीय विधि दिवस' के रूप में मनाया जाता था)। इसी दिन भारत में 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' (डॉ. वर्गीज कुरियन की जयंती) भी मनाया जाता है।
संदर्भ: Constitution of India (Preamble); Ministry of Social Justice and Empowerment Notification 2015;

प्र.2. हाल ही में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने, झीलों के फटने (GLOF) और मौसम पूर्वानुमान की सटीकता बढ़ाने हेतु किस स्वदेशी उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (HPC) प्रणाली के विस्तार चरण को राष्ट्र को समर्पित किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: 'अर्का' और 'अरुणिका' सुपरकंप्यूटिंग प्रणाली (Arka & Arunika HPC Systems)
व्याख्या: भारत सरकार द्वारा मौसम विज्ञान और जलवायु अनुसंधान में आत्मनिर्भरता हेतु 'अर्का' (Arka - IITM पुणे में स्थापित) और 'अरुणिका' (Arunika - NCMRWF नोएडा में स्थापित) नाम से उच्च-क्षमता वाली सुपरकंप्यूटिंग प्रणालियों का पूर्ण परिचालन किया जा रहा है। इन प्रणालियों की संयुक्त कंप्यूटिंग क्षमता 21.3 पेटाफ्लॉप्स (Petaflops) है, जिससे भारत की मौसम पूर्वानुमान क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इनकी सहायता से अब प्रखंड (ब्लॉक) स्तर तक चक्रवातों, अतिवृष्टि, वज्रपात, शीतलहर और ग्लेशियर झीलों के जोखिम की अत्यंत सटीक व समयपूर्व चेतावनी जारी करना संभव हो गया है।
संदर्भ: Ministry of Earth Sciences (MoES) Press Releases;

प्र.3. हिंदी साहित्य के रीतिकालीन महाकवि बिहारीलाल द्वारा दोहा छंद में रचित वह कौन-सा अमर मुक्तक काव्य-संग्रह है, जिसके प्रत्येक दोहे के विषय में यह उक्ति प्रसिद्ध है — "सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर; देखन में छोटे लगें, घाव करें गंभीर"? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: बिहारी सतसई (713 दोहे)
व्याख्या: 'बिहारी सतसई' रीतिकालीन काव्यधारा (रीतिसिद्ध परंपरा) के सर्वश्रेष्ठ कवि बिहारीलाल (1595–1663) की एकमात्र और कालजयी कृति है, जिसकी रचना उन्होंने आमेर (जयपुर) के मिर्जा राजा जयसिंह के दरबार में की थी। इसमें शृंगार, भक्ति और नीति से संबंधित 713 (कहीं-कहीं 719) अत्यंत चमत्कारी और अर्थगर्भित दोहे संकलित हैं। बिहारी ने अपने छोटे से दोहा छंद में 'गागर में सागर' भरने का अद्भुत कौशल दिखाया है। इस ग्रंथ की लोकप्रियता इतनी अधिक थी कि इस पर 50 से अधिक टीकाएं (व्याख्याएं) लिखी गईं, जिनमें जगन्नाथदास 'रत्नाकर' की 'बिहारी रत्नाकर' सर्वाधिक प्रामाणिक मानी जाती है।
संदर्भ: बिहारीलाल — 'बिहारी सतसई', लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 10 (स्पर्श भाग-2, पाठ "बिहारी

प्र.4. किसी पारिस्थितिक तंत्र में जब दो भिन्न प्रजातियों के जीव एक-दूसरे के साथ इस प्रकार रहते हैं कि दोनों को परस्पर लाभ होता है और दोनों का जीवन एक-दूसरे पर निर्भर रहता है (जैसे लाइकेन में शैवाल और कवक, या फलदार पौधों की जड़ों में राइजोबियम जीवाणु), तो इस संबंध को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: सहोपकारिता (सहजीवन / Mutualism)
व्याख्या: पारिस्थितिकी में जब दो भिन्न प्रजातियों के जीवों के मध्य ऐसी पारस्परिक क्रिया होती है जिससे दोनों प्रजातियों को समान रूप से लाभ पहुँचता है, तो उसे 'सहोपकारिता' (Mutualism) कहते हैं, जिसे गणितीय रूप से (+, +) द्वारा निरूपित किया जाता है। इसके सर्वोत्तम प्राकृतिक उदाहरण हैं: (1) 'लाइकेन' (Lichen) — जिसमें कवक जल और खनिज अवशोषित कर आश्रय देता है तथा शैवाल प्रकाश संश्लेषण द्वारा भोजन बनाता है; (2) 'कवकमूल' (Mycorrhiza) — उच्च पादपों की जड़ों और कवक के बीच का संबंध; तथा (3) अंजीर के वृक्ष और ततैया (Wasp) के बीच परागण और अंडे देने का अनिवार्य सह-विकास संबंध।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 13 "जीव और समष्टियाँ" (Organisms and Populations - Mutualism), p. 237–239;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राजस्थान के नसीराबाद छावनी में 28 मई 1857 को राजस्थान में विद्रोह की प्रथम चिंगारी भड़काने वाली ब्रिटिश भारतीय सेना की किस रेजिमेंट के सैनिकों ने विद्रोह किया था? (इतिहास)
उत्तर: 15वीं और 30वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री (नसीराबाद छावनी)
व्याख्या: राजस्थान में 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का शुभारंभ 28 मई 1857 को अजमेर के निकट स्थित 'नसीराबाद छावनी' से हुआ था। मेरठ विद्रोह की सूचना मिलने पर अंग्रेज अधिकारियों ने नसीराबाद में तैनात 15वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री पर अविश्वास जताते हुए उनसे तोपखाने का अधिकार छीन लिया और यूरोपीय सैनिकों को तैनात कर दिया। इससे आक्रोशित होकर बख्तावर सिंह के नेतृत्व में 15वीं और 30वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री के भारतीय सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। उन्होंने ब्रिटिश शस्त्रागार और तोपखाने पर कब्जा कर लिया, मेजर स्पॉटिसवुड और कर्नल न्यूबरी को मार गिराया तथा "चलो दिल्ली, मारो फिरंगी" के नारों के साथ दिल्ली की ओर कूच किया।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 51–55;

प्र.6. हिमालय पर्वत श्रृंखला के हिमाचल और उत्तराखंड क्षेत्रों से होकर बहने वाली यमुना नदी, जो गंगा की सबसे लंबी सहायक नदी है, उत्तराखंड के किस हिमनद से निकलकर प्रयागराज में गंगा से मिलती है? (भूगोल)

उत्तर: यमुनोत्री हिमनद (बंदरपूंछ चोटी, उत्तराखंड)

व्याख्या: यमुना नदी गंगा नदी तंत्र की सबसे बड़ी और सबसे लंबी पश्चिमी व दक्षिणी सहायक नदी है, जिसकी कुल लंबाई लगभग 1,376 किलोमीटर है। इसका उद्गम उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में महान हिमालय की 'बंदरपूंछ चोटी' के पश्चिमी ढलान पर स्थित 'यमुनोत्री हिमनद' (Yamunotri Glacier) से होता है। यह उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्यों से होकर प्रवाहित होती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियों में टोंस, चंबल, सिंध, बेतवा और केन शामिल हैं। यह नदी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) में 'त्रिवेणी संगम' पर गंगा नदी में विलीन हो जाती है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 19–21;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत देश के भीतर किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन (संवैधानिक तंत्र की विफलता के कारण आपातकाल) लागू करने का प्रावधान निहित है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 356 (Article 356)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XVIII में आपातकालीन उपबंधों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 356' राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल हो जाने पर राष्ट्रपति शासन लागू करने से संबंधित है। इसके अनुसार, यदि राष्ट्रपति को किसी राज्य के राज्यपाल के प्रतिवेदन (रिपोर्ट) से या अन्यथा यह समाधान हो जाए कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसमें उस राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता, तो राष्ट्रपति उद्घोषणा द्वारा उस राज्य सरकार की समस्त शक्तियां अपने हाथ में ले सकते हैं। इस उद्घोषणा का दो माह के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा अनुमोदन अनिवार्य है। 'एस. आर. बोम्मई वाद' (1994) में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 356 के दुरुपयोग पर कड़े न्यायिक अंकुश स्थापित किए हैं।

संदर्भ: Constitution of India, Part XVIII, Article 356; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 7 "संघवाद", p. 163–166;

प्र.8. पौधों के तने या जड़ों की वृद्धि के दौरान 'गुरुत्वाकर्षण बल' के प्रति होने वाली अनुक्रिया (जैसे जड़ों का नीचे की ओर बढ़ना और तने का ऊपर की ओर बढ़ना) को पादप विज्ञान में क्या कहा जाता है? (विज्ञान)

उत्तर: गुरुत्वानुवर्तन (Geotropism / Gravitropism)

व्याख्या: उद्दीपनों के प्रति पौधों के अंगों की दिशात्मक गति को 'अनुवर्तन' (Tropism) कहा जाता है। पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल की दिशा के प्रति पादप अंगों की वृद्धि गति 'गुरुत्वानुवर्तन' (Geotropism) कहलाती है। यह दो प्रकार का होता है: (1) 'धनात्मक गुरुत्वानुवर्तन' — पौधे की जड़ें सदैव गुरुत्वाकर्षण की दिशा में (मिट्टी के भीतर नीचे की ओर) वृद्धि करती हैं ताकि पौधे को यांत्रिक आधार और जल-खनिज मिल सकें; (2) 'ऋणात्मक गुरुत्वानुवर्तन' — पौधे का प्ररोह तंत्र (तना और पत्तियाँ) सदैव गुरुत्वाकर्षण के विपरीत (ऊपर सूर्य के प्रकाश की ओर) वृद्धि करता है। यह क्रिया मुख्यतः 'ऑक्सिन' (Auxin) पादप हार्मोन के असमान वितरण द्वारा नियंत्रित होती है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 7 "नियंत्रण एवं समन्वय" (पादपों में समन्वय), p. 134–136;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में चालुक्य वंश के शासनकाल में निर्मित और भारतीय शास्त्रीय नृत्यों की श्रृंखला में आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एक गाँव के नाम पर प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य शैली कौन-सी है, जिसमें पीतल की थाली के किनारों पर खड़े होकर नृत्य (तरंगम) किया जाता है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कुचिपुड़ी (Kuchipudi - आंध्र प्रदेश)

व्याख्या: 'कुचिपुड़ी' भारत की आठ प्रमुख शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक है, जिसका उद्गम आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के 'कुचेलापुरम' (कुचिपुड़ी) गाँव से हुआ था। 17वीं शताब्दी में वैष्णव संत 'सिद्धेंद्र योगी' ने इसे 'भामाकलापम' नृत्य-नाटिका के रूप में सुव्यवस्थित किया। कुचिपुड़ी नृत्य की सबसे अनूठी और कठिन विशेषता 'तरंगम' (Tarangam) है, जिसमें नर्तक पीतल की एक बड़ी थाली के नुकीले किनारों पर अपने पैर रखकर और सिर पर पानी से भरा कलश संतुलित करते हुए कर्नाटक संगीत की तीव्र लय पर नृत्य करता है। इसमें नृत्य, अभिनय और संवाद (वाचिक अभिनय) तीनों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।

संदर्भ: Sangeet Natak Akademi Official Dossier; CCRT (Centre for Cultural Resources and Training) Performing Arts India;

प्र.10. बिहार के वैशाली जिले के कुंडग्राम में 540 ईसा पूर्व में जन्मे जैन धर्म के 24वें एवं अंतिम तीर्थंकर कौन थे, जिन्होंने 'अहिंसा परमो धर्मः' और 'पंच महाव्रत' (सत्य, अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य) का उपदेश दिया? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: भगवान महावीर (वर्धमान महावीर)

व्याख्या: भगवान महावीर (बचपन का नाम: वर्धमान) जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थंकर थे। उनका जन्म 540 ईसा पूर्व (पारंपरिक मान्यतानुसार 599 ईसा पूर्व) में बिहार के वैशाली के निकट 'कुंडग्राम' (बासोकुंड) के ज्ञातृक क्षत्रिय कुल में हुआ था। उनके पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक कुल के प्रधान थे और माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवि गणराज्य की राजकुमारी थीं। 30 वर्ष की आयु में गृह त्याग कर 12 वर्षों की कठोर तपस्या के बाद जृम्भिकग्राम में ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे उन्हें 'कैवल्य' (सर्वोच्च ज्ञान) प्राप्त हुआ। उन्होंने प्राकृत (अर्धमागधी) भाषा में जनसाधारण को उपदेश दिया और 72 वर्ष की आयु में बिहार के नालंदा जिले के 'पावापुरी' में निर्वाण प्राप्त किया।

संदर्भ: NCERT History Class 6 (हमारे अतीत-1), Ch 6 "नए प्रश्न नए विचार", p. 58–60;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W4 — शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार कड़ाके की शीतलहर के दौरान बंद कमरे में अंगीठी या कोयला जलाकर सोना क्यों प्राणघातक हो सकता है और शीतलहर के समय घरों में हवा के प्रवाह (वेंटिलेशन) व बच्चों-बुजुर्गों की देखभाल हेतु क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) गैस बनने से दम घुटना; कमरे में थोड़ा वेंटिलेशन रखना और मौसम की चेतावनी पर नजर रखना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026' (नवंबर चतुर्थ शनिवार: शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी) के अनुसार शीतलहर के प्रकोप से बचाव हेतु निम्नलिखित जीवन-रक्षक सावधानियां अनिवार्य हैं:

1. बंद कमरे में अंगीठी/कोयले का घातक खतरा: कड़ाके की ठंड में लोग खिड़की-दरवाजे पूरी तरह बंद करके कोयले की अंगीठी या लकड़ी का अलाव जलाकर सो जाते हैं। अपर्याप्त ऑक्सीजन के कारण कोयले के अपूर्ण दहन से अत्यंत विषैली और गंधहीन 'कार्बन मोनोऑक्साइड' (CO) गैस बनती है। यह गैस सांस के साथ रक्त के हीमोग्लोबिन में घुलकर मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की आपूर्ति रोक देती है, जिससे सोते हुए व्यक्ति की बिना पता चले ही दम घुटने से मृत्यु हो सकती है। अतः सोने से पहले अंगीठी को कमरे से बाहर कर दें अथवा कमरे में हवा के आवागमन हेतु खिड़की थोड़ी खुली रखें।
2. बच्चों और बुजुर्गों की विशेष सुरक्षा: शीतलहर का सर्वाधिक दुष्प्रभाव छोटे बच्चों, बुजुर्गों और हृदय या सांस (अस्थमा) के मरीजों पर पड़ता है। उन्हें सुबह-शाम की बर्फीली हवा में बाहर न जाने दें, सिर-कान व पैरों को ऊनी कपड़ों से ढंककर रखें और शरीर में ऊर्जा बनाए रखने हेतु गर्म पौष्टिक आहार व गुनगुने पेय पदार्थ दें।
3. मौसम की पूर्व-चेतावनी: शीतलहर के दौरान टेलीविजन, रेडियो, समाचार-पत्र या बिहार सरकार के आधिकारिक 'मौसम बिहार' मोबाइल ऐप से तापमान और शीतलहर अलर्ट की जानकारी नियमित रूप से लेते रहें। संदर्भ: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026 — नवंबर चतुर्थ शनिवार ("शीतलहर से खतरे एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में जानकारी"); National Disaster Management Authority (NDMA) Cold

1. प्र.12. 100 मीटर लंबी एक रेलगाड़ी 54 किमी/घंटा की एकसमान चाल से चलते हुए रेलवे पटरी के किनारे खड़े एक बिजली के खंभे को कितने सेकंड में पार कर जाएगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग) उत्तर: 6 सही 2/3 सेकंड (6.67 सेकंड) व्याख्या: यह 'रेलगाड़ी, समय और दूरी' (Problems on Trains) की सापेक्ष दूरी और इकाई रूपांतरण पर आधारित एक मानक, तार्किक और प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण अंकगणितीय प्रश्न है। दिया गया है: रेलगाड़ी की लंबाई (L) = 100 मीटर। रेलगाड़ी की चाल (v) = 54 किमी/घंटा। (चाल को मानक SI मात्रक मीटर/सेकंड में बदलने के लिए 5 / 18 से गुणा करते हैं): $v = 54 \times (5 / 18)$ 54 को 18 से विभाजित करने पर: $54 / 18 = 3$ $v = 3 \times 5 = 15\text{ मीटर/सेकंड}$। नियम: जब कोई रेलगाड़ी किसी खंभे या खड़े व्यक्ति को पार करती है, तो उसके द्वारा तय की गई कुल दूरी स्वयं उस रेलगाड़ी की लंबाई के बराबर होती है। अतः तय की जाने वाली दूरी (D) = 100 मीटर। लगा समय (t) = $\text{दूरी} / \text{चाल}$ $t = 100 / 15$ अंश और हर को 5 से सरल करने पर: $t = 20 / 3\text{ सेकंड}$। मिश्र भिन्न में बदलने पर: $t = 6\text{ सही } 2/3\text{ सेकंड} \approx 6.67\text{ सेकंड}$। अतः वह रेलगाड़ी खंभे को ठीक $6\frac{2}{3}$ सेकंड में पार कर जाएगी। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात" (गति, दूरी और समय), p. 201–205;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Fortitude (फॉर्टिट्यूड) = Resilience (रिज़िलियंस) = धैर्य / मानसिक दृढ़ता / साहस
Antonym – Cowardice (काउर्डिस) = कायरता / डरपोकपन

Inundate (इनन्डेट) = Overwhelm (ओवरव्हेल्म) = भर देना / अत्यधिक मात्रा में घेर लेना
Antonym – Drain (ड्रेन) = खाली करना / जल निकालना

Mercurial (मर्क्यूरियल) = Volatile (वॉलेटाइल) = चंचल / अस्थिर स्वभाव वाला
Antonym – Stable (स्टेबल) = स्थिर / शांत स्वभाव वाला

Penury (पेन्युअरी) = Indigence (इन्डिजेन्स) = घोर गरीबी / दरिद्रता
Antonym – Affluence (ऐफ्लुएन्स) = समृद्धि / धन-संपन्नता

Serendipity (सेरेन्डिपिटी) = Fortunate Accident (फॉर्चुनेट ऐक्सिडेंट) = सुखद संयोग / अप्रत्याशित सौभाग्य
Antonym – Misfortune (मिसफॉर्चुन) = दुर्भाग्य / विपत्ति



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Constitution Day (Samvidhan Diwas) Tomorrow — November 26: India Celebrates 77th Anniversary of Constitution's Adoption; Major Events at Samvidhan Sadan
हिन्दी अनुवाद: कल 26 नवम्बर — संविधान दिवस (सम्विधान दिवस): भारत मनाएगा संविधान अपनाने की 77वीं वर्षगाँठ; सम्विधान सदन में भव्य आयोजन।
राष्ट्रीय संविधान दिवस, जिसे सम्विधान दिवस भी कहते हैं, प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को मनाया जाता है — यह वह दिन है जब 1949 में भारत ने अपना संविधान अपनाया था। 2026 में यह 77वाँ वर्ष है। संविधान सभा ने इसे बनाने में लगभग 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन लगाए। Dr. B.R. Ambedkar Drafting Committee के अध्यक्ष थे। संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ जिसे हम Republic Day के रूप में मनाते हैं। 2015 में केंद्र सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस घोषित किया। इससे पहले यह दिन 'National Law Day' के रूप में मनाया जाता था। कल PM मोदी सम्विधान सदन (Central Hall, Old Parliament Building) में कार्यक्रम में भाग लेंगे। UPSC/BPSC परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण: संविधान में मूलतः 395 अनुच्छेद थे; अब 448+ अनुच्छेद, 25 भाग, 12 अनुसूचियाँ हैं।

2. Zojila Tunnel Reaches 70% Completion; Set to Open in 6-8 Months — Will Connect Kashmir Valley to Ladakh Throughout Year
हिन्दी अनुवाद: जोजिला सुरंग 70% पूर्ण; 6-8 महीनों में खुलेगी — कश्मीर घाटी और लद्दाख साल भर जुड़ेंगे।
जोजिला सुरंग 70% तक पूर्ण हो गई है और इसे 6 से 8 महीने में खोले जाने की उम्मीद है। जोजिला सुरंग एशिया की सबसे लंबी और सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित (NH-1, 11,578 फीट / 3,529 मीटर) द्विदिशात्मक सुरंग है जो जम्मू-कश्मीर के बालटाल (सोनमर्ग के पास) को लद्दाख के द्रास से जोड़ेगी। लंबाई: 14.1 km; लागत: लगभग ₹6,808 करोड़ (NHIDCL द्वारा निर्मित)। इसके खुलने से कश्मीर से लद्दाख तक मौसम की बाधा समाप्त होगी और श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग वर्षभर खुला रहेगा। यह परियोजना Viksit Bharat और रणनीतिक सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

3. Dev Deepawali 2026: Varanasi's 84 Ghats Glowed with 11 Lakh Diyas; 15 Lakh Devotees Witness 'Diwali of the Gods' on Kartik Purnima
हिन्दी अनुवाद: देव दीपावली 2026: काशी के 84 घाट 11 लाख दीयों से रोशन; कार्तिक पूर्णिमा पर 15 लाख श्रद्धालुओं ने देखी 'देवों की दिवाली'।
वाराणसी के घाट मंगलवार को लाखों मिट्टी के दीयों, भक्ति संगीत और भव्य उत्सव के साथ जीवंत हो उठे — कार्तिक पूर्णिमा पर विश्वप्रसिद्ध देव दीपावली धार्मिक उत्साह और सांस्कृतिक भव्यता के साथ मनाई गई। दशाश्वमेध घाट पर गंगा सेवा निधि द्वारा 21 पुजारियों और 42 युवतियों द्वारा भव्य गंगा आरती की गई; 51,000 मिट्टी के दीये दशाश्वमेध और आसपास के घाटों को रोशन किया। चेतसिंह घाट पर रात 7:20 बजे से 25 मिनट का 3D प्रोजेक्शन मैपिंग और लेज़र शो आयोजित हुआ। PM मोदी ने कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली पर शुभकामनाएं दीं। Bihar के CM सम्राट चौधरी ने भी कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली को 'आस्था, भक्ति और प्रकाश का उत्सव' बताते हुए बधाई दी।

INTERNATIONAL NEWS

1. India Condemns Missile Attack on Financial District Tower in Riyadh; Saudi Arabia on High Alert
हिन्दी अनुवाद: भारत ने रियाद के वित्तीय जिले में मिसाइल हमले की कड़ी निंदा की; सऊदी अरब हाई अलर्ट पर।
भारत ने रियाद के वित्तीय जिले में एक इमारत पर हुए हमले और नागरिकों को निशाना बनाने वाले निरंतर हमलों की कड़ी निंदा की। US-Iran युद्ध की पृष्ठभूमि में मध्य-पूर्व में तनाव अभी भी ऊँचे बने हुए हैं। भारत के लिए यह अत्यंत संवेदनशील है क्योंकि सऊदी अरब में 25 लाख से अधिक भारतीय नागरिक कार्यरत हैं और सऊदी अरब भारत का सबसे बड़ा remittance स्रोत देशों में से एक है। MEA ने भारतीय नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है।

2. Dalai Lama Allotted Bungalow in Lutyens' Delhi; India Reaffirms Commitment to Tibetan Spiritual Leader
हिन्दी अनुवाद: दलाई लामा को लुटियंस' दिल्ली में बंगला आवंटित; भारत ने तिब्बती आध्यात्मिक नेता के प्रति प्रतिबद्धता फिर जताई।
दलाई लामा को लुटियंस' दिल्ली में सरकारी बंगला आवंटित किया गया है। यह निर्णय BRICS Summit (12-13 सितम्बर) के बाद India-China संबंधों की पृष्ठभूमि में महत्वपूर्ण है। वर्तमान दलाई लामा (14वें) — Tenzin Gyatso — 1959 से Dharamshala, Himachal Pradesh में निर्वासन में रह रहे हैं। यह निर्णय India की Tibetan नीति में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है जिस पर China की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

3. Supreme Court Reserves Verdict in Balwant Singh Rajoana Case; Convict Seeks Commutation of Death Sentence
हिन्दी अनुवाद: सर्वोच्च न्यायालय ने बलवंत सिंह राजोआणा के मामले में फैसला सुरक्षित रखा; Punjab CM बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी ने मृत्युदंड माफी की माँग की।
सर्वोच्च न्यायालय ने Babbar Khalsa के आतंकवादी बलवंत सिंह राजोआणा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा जिसमें उसने Punjab CM बेअंत सिंह हत्याकांड में मिली मृत्युदंड की सज़ा को कम करने की माँग की है — इसका आधार 2012 से राष्ट्रपति के पास लंबित mercy petition में देरी है। यह मामला मृत्युदंड, Mercy Petition और अनुच्छेद 72 (राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति) की दृष्टि से संविधान और कानून में रुचि रखने वाले UPSC/BPSC अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। (livelaw)

BIHAR NEWS

1. Bihar Becomes First State with Comprehensive Silt Management Policy; CM Samrat Choudhary Signs MoU with MoRTH for Nadi Sanjeevani

हिन्दी अनुवाद: बिहार बना भारत का पहला राज्य जिसने व्यापक गाद प्रबंधन नीति लागू की; CM सम्राट चौधरी ने MoRTH के साथ 'नदी संजीवनी' पहल के लिए MoU हस्ताक्षर किए।

3 नवम्बर 2026 को Bihar के CM सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि Bihar बाढ़ से निपटने और नदी की गाद के वैज्ञानिक उपयोग के लिए व्यापक Silt Management Policy लागू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है। नदी संजीवनी पहल: MoRTH और Bihar सरकार के बीच MoU हस्ताक्षरित हुआ; नीति का उद्देश्य नदी की जल-वहन क्षमता में सुधार और बाढ़ के जोखिम को कम करना है। किसानों को सहायता: प्रभावित किसानों को प्रति दो हेक्टेयर पर जमी रेत की खुदाई के लिए ₹20,000 की वित्तीय सहायता। पश्चिम चम्पारण सहित तराई क्षेत्र के किसानों के लिए यह बेहद प्रासंगिक नीति है। (Master UPSC with Drishti's NCERT Course

2. Bihar Cabinet Approves MSME Policy 2026 and ₹11,096 Crore Power Distribution Plan; Aims for 1 Crore Entrepreneur Families

हिन्दी अनुवाद: Bihar Cabinet ने MSME Policy 2026 और ₹11,096 करोड़ की बिजली वितरण योजना को मंजूरी दी; 1 करोड़ उद्यमी परिवार बनाने का लक्ष्य।

Bihar Cabinet ने CM सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में 43 प्रस्तावों को मंजूरी दी जिनमें बिजली वितरण, शहरी अवसंरचना, बाढ़ प्रबंधन, औद्योगिक विकास, MSMEs, शिक्षा, खेल और क्षेत्रीय वायु कनेक्टिविटी शामिल हैं। Bihar MSME Policy 2026 के तहत एक करोड़ परिवारों को उद्यमी घराने बनाने, एक करोड़ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर पैदा करने का लक्ष्य है। पश्चिम चम्पारण जैसे ग्रामीण जिलों में MSME को बढ़ावा देना रोजगार और आत्मनिर्भरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

SPORTS NEWS

1. IND vs NZ 2nd Test Preview (Christchurch, Nov 27): India Must Win to Keep WTC Final Dreams Alive; Siraj Likely In, Gill Eyes Momentum Shift

हिन्दी अनुवाद: IND vs NZ दूसरा Test (Christchurch, 27 Nov) पूर्वावलोकन: WTC Final की उम्मीद जिंदा रखने के लिए India को जीत ज़रूरी; Siraj की वापसी संभव, Gill चाहते हैं रुख पलटना।

Wellington Test के ड्रॉ के बाद India और New Zealand दोनों को 4-4 WTC points मिले। यह परिणाम India की WTC Final hopes को कमज़ोर करता है। India captain Shubman Gill ने कहा था — "अगर हम दोनों Tests जीतते हैं तो WTC Final खेलने का बहुत अच्छा chance है।" Wellington draw के बाद अब Christchurch जीतना अनिवार्य हो गया है। Hagley Oval — Christchurch — की pitch seam और swing bowling के लिए अनुकूल होती है। Mohammed Siraj (जो Wellington में नहीं खेले) की वापसी उम्मीद की जा रही है। 2nd Test: 27 November - 1 December, Hagley Oval, Christchurch। (thedailyjagran) (arynews)

2. India's Jasprit Bumrah Eyes World No. 1 Test Bowling Spot; Wellington Performance Earns Praise; ICC Rankings Update

हिन्दी अनुवाद: Jasprit Bumrah की Test bowling में World No. 1 पर नज़र; Wellington प्रदर्शन की प्रशंसा; ICC Rankings अपडेट। Wellington Test में Bumrah ने कुल 5 wickets लिए और consistent pressure बनाए रखा। ICC Test bowling rankings में Bumrah शीर्ष 3 में हैं और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन से World No. 1 के करीब हैं। KL Rahul (136) और Rishabh Pant (128) के शतकों ने India को 720/9 declared (NZ में सर्वोच्च Test score) तक पहुँचाया — Pant SENA सभी देशों में Test century बनाने वाले पहले Asian wicketkeeper बने। अब Christchurch में भी ऐसे ही शानदार प्रदर्शन की उम्मीद।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

📜 "संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं — यह हर नागरिक का अधिकार-पत्र और कर्तव्य-बोध है। संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर हम Dr. B.R. Ambedkar और संविधान सभा के महान प्रयास को नमन करते हैं।"

अनुभाग-6

प्रेरक नाटक

हमारा संविधान, हमारी पहचान

(26 नवंबर: संविधान दिवस विशेष)

(पात्र: शिक्षक, रोहन, सीमा, अमन और अन्य विद्यार्थी।)

दृश्य: विद्यालय का प्रांगण। संविधान दिवस का कार्यक्रम चल रहा है। बच्चे संविधान की पुस्तक लेकर खड़े हैं।

शिक्षक: बच्चों! आज हम संविधान दिवस मना रहे हैं। क्या तुम जानते हो कि हमारा संविधान हमारे जीवन में क्यों महत्वपूर्ण है?

रोहन: जी सर! संविधान हमें अधिकार देता है, ताकि हम सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जी सकें।

सीमा: यह सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। किसी के साथ जाति, धर्म, भाषा या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

अमन: सर! क्या संविधान केवल अधिकारों की बात करता है या हमारी कुछ जिम्मेदारियाँ भी हैं?

शिक्षक: बहुत अच्छा सवाल! संविधान हमें मौलिक कर्तव्यों की भी याद दिलाता है। देश की एकता बनाए रखना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और सभी का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है।

रोहन: लेकिन सर, यदि कोई नियम तोड़े या हमारे साथ अन्याय करे तो हमें क्या करना चाहिए?

शिक्षक: हमें कानून का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और उचित तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। अधिकारों के साथ जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं।

सीमा: हमें यह भी जानना चाहिए कि संविधान किसी एक व्यक्ति की रचना नहीं है। संविधान सभा के अनेक सदस्यों ने मिलकर इसे तैयार किया। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अमन: 26 नवम्बर 1949 को संविधान अंगीकृत हुआ और 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

शिक्षक: बिल्कुल! अब हम सब मिलकर संकल्प लें।

सभी विद्यार्थी: हम संविधान के मूल्यों का सम्मान करेंगे, अपने अधिकार जानेंगे, कर्तव्यों का पालन करेंगे और एक जिम्मेदार नागरिक बनेंगे।

शिक्षक: यही संविधान दिवस मनाने का सच्चा उद्देश्य है।

सभी: हमारा संविधान, हमारा गौरव! जय हिन्द!



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-41

सोचो... समझो... हल करो...

								4
	5	6			4	9		
3				1				5
	6	3				2		
4	7			8	1			
			7					
	9	2		5		6		
	8	5				7		9

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"जो सीखने की इच्छा रखता है, उसके लिए हर दिन एक नया अवसर है।"

— स्वामी विवेकानंद

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

9	2	1	8	6	3	5	7	4
8	5	6	3	7	4	9	1	2
3	4	7	9	1	2	8	6	5
2	1	8	5	3	6	4	9	7
5	6	3	4	9	7	2	8	1
4	7	9	2	8	1	6	3	8
6	3	4	7	2	9	1	5	8
7	9	2	1	5	8	6	4	3
1	8	5	6	4	3	7	2	9

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 12, श्लोक 17
यो न हृष्यति न द्वेष्टि न शोचति न काङ्क्षति।
शुभाशुभपरित्यागी भक्तिमान्यः स मे प्रियः॥
सरल हिन्दी अर्थ:
जो मनुष्य न तो अनुकूल परिस्थितियों के मिलने पर अत्यधिक हर्षित (उन्मादित) होता है, न प्रतिकूलता से द्वेष (नफरत) करता है, न किसी वस्तु या व्यक्ति के बिछुड़ने का शोक करता है और न ही अप्राप्त वस्तुओं की कामना (लालसा) करता है; तथा जो शुभ (पुण्य के अहंकार) और अशुभ (पाप/दोष) दोनों प्रकार के कर्मफलों की आसक्ति का त्याग करने वाला है—ऐसा भक्तियुक्त पुरुष मुझे अत्यंत प्रिय है।
आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ भावनात्मक समता (Emotional Equanimity) का अत्यंत सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक सूत्र प्रस्तुत करते हैं। सामान्य मनुष्य का मन एक पेंडुलम (लोलक) की तरह होता है—जो कभी अत्यधिक उत्साह के शिखर पर होता है और अगले ही पल निराशा की गहरी खाई में गिर जाता है। गीता हमें उस मध्य बिंदु पर स्थिर होना सिखाती है:
न हृष्यति, न द्वेष्टि (प्रतिक्रियाओं पर नियंत्रण):
जब कुछ अच्छा होता है तो हम अति-उत्साहित होकर सावधानी खो देते हैं, और जब कुछ अप्रिय होता है तो हम चिढ़कर या द्वेष करके अपनी ऊर्जा नष्ट करते हैं। समता का अर्थ है—सफलता और असफलता दोनों को एक शांत साक्षी की तरह देखना।
न शोचति, न काङ्क्षति (अतीत और भविष्य से मुक्ति):
मनुष्य का अधिकांश मानसिक तनाव दो बिंदुओं पर टिका है: जो बीत गया उसका शोक (Regret), और जो अभी मिला नहीं उसकी बेचैन कामना (Craving)। शोक और कामना को त्यागते ही व्यक्ति पूरी ऊर्जा के साथ वर्तमान क्षण में जीने लगता है।
शुभाशुभपरित्यागी (परिणाम के बंधन से मुक्ति):
इसका अर्थ यह नहीं है कि अच्छे कर्म छोड़ दिए जाएँ। इसका अर्थ है—सत्कर्म को अपना स्वाभाविक धर्म मानकर करना, लेकिन "मैंने इतना बड़ा उपकार किया है" इस भाव (शुभ की आसक्ति) को मन में न पालना।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

समानता के संदेशवाहक और सिख धर्म के संस्थापक: श्री गुरु नानक देव जी

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी किसी गुरुद्वारे में जाकर यह सुंदर दृश्य देखा है कि राजा हो या रंक, अमीर हो या गरीब—सब लोग बिना किसी जाति या धर्म के भेदभाव के एक ही पंक्ति में जमीन पर बैठकर बड़े प्रेम से भोजन करते हैं? इस अद्भुत 'लंगर प्रथा' की शुरुआत करने वाले और पूरी मानवता को "एक ओंकार" (ईश्वर एक है) का पावन संदेश देने वाले महापुरुष कोई और नहीं, बल्कि सिख धर्म के संस्थापक और प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी थे!

गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल 1469 को (कार्तिक पूर्णिमा के पावन पर्व पर) लाहौर के पास 'राय भोई की तलवंडी' (वर्तमान पाकिस्तान में श्री ननकाना साहिब) नामक गाँव में हुआ था। उनके पिता श्री मेहता कालू जी गाँव के पटवारी (राजस्व अधिकारी) थे, जो बड़े ईमानदार और मेहनती व्यक्ति थे। उनकी माता श्रीमती तृप्ता देवी अत्यंत स्नेहमयी, करुणामयी और धर्मपरायण महिला थीं। उनकी बड़ी बहन का नाम 'बेबे नानकी' था, जो अपने नन्हे भाई से बहुत प्रेम करती थीं और उन्होंने ही सबसे पहले नानक के भीतर छिपी दिव्य ज्योति को पहचाना था।

नन्हे नानक बचपन से ही अत्यंत शांत, चिंतनशील और दयालु स्वभाव के बालक थे। उन्हें सांसारिक खेलों से अधिक प्रकृति को निहारने, ध्यान लगाने और गरीबों की सेवा करने में आनंद आता था। उनके बचपन की 'सच्चा सौदा' वाली घटना बहुत प्रसिद्ध है। एक बार उनके पिता मेहता कालू जी ने नानक को बीस रुपये दिए और कहा कि शहर जाकर कोई अच्छा सा 'सच्चा सौदा' (व्यापार) करके आओ, जिससे लाभ हो।

नानक जी अपने साथी बाला के साथ शहर की ओर चल पड़े। रास्ते में उन्होंने देखा कि कई साधु-संत और गरीब लोग कई दिनों से भूखे-प्यासे बैठे हैं। नानक जी का कोमल हृदय पसीज गया। उन्होंने उन बीस रुपयों से ढेर सारा राशन खरीदा और सभी भूखे संतों व गरीबों को पेट भर भोजन कराया। जब वे खाली हाथ घर लौटे और पिता ने नाराज़ होकर पूछा कि कौन सा व्यापार किया है, तो नानक जी ने विनम्रता से कहा—"पिताजी, भूखे और असहाय लोगों को भोजन कराने से बड़ा 'सच्चा सौदा' इस संसार में और क्या हो सकता है!" यही घटना आगे चलकर सिख परंपरा की महान 'लंगर सेवा' बनी।

बड़े होने पर गुरु नानक देव जी ने समाज में फैले अंधविश्वास, पाखंड, ऊँच-नीच और जाति-पाँति के भेदभाव को मिटाने के लिए अपने साथी भाई मर्दाना (जो रबाब बजाते थे) के साथ पूरे भारत, तिब्बत, श्रीलंका और अरब देशों (मक्का-मदीना) तक हज़ारों मील की चार लंबी पैदल यात्राएँ कीं, जिन्हें 'उदासियाँ' कहा जाता है।

उन्होंने पूरी दुनिया को जीवन जीने के तीन सुनहरे सिद्धांत दिए—'नाम जपो' (ईश्वर का स्मरण करो), 'किरत करो' (मेहनत और ईमानदारी से काम करो) और 'वंड छको' (मिल-बाँटकर खाओ और ज़रूरतमंदों की मदद करो)। उन्होंने नारियों के सम्मान की पुरज़ोर वकालत की और कहा कि जो स्त्रियाँ राजाओं और महापुरुषों को जन्म देती हैं, उनका अपमान कभी नहीं होना चाहिए। 22 सितंबर 1539 को करतारपुर में वे ज्योति-जोत समा गए। प्यारे बच्चों, गुरु नानक देव जी का पावन जीवन हमें सिखाता है कि सभी इंसानों को एक समान समझो, ईमानदारी से मेहनत करो और अपनी कमाई से हमेशा भूखों व ज़रूरतमंदों की सेवा करो।



.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

बीते हुए कल के शोक और आने वाले कल की लालसा के बीच अपने आज को मत उलझाइए। सुख-दुःख और लाभ-हानि के उतार-चढ़ावों के बीच भीतर से शांत और सम बने रहिए; यही अडिग स्थिरता जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org